एक फोन कीजिए, वो किताबें घर ले आएंगे

WORLD BOOK'S DAY

लोगों में किताबों और अध्ययन के प्रति लगाव बढ़े इसके लिए मोहम्मद आबीदी फोन कॉल पर ही घर पर किताबें देने पहुंच जाते हैं।

मिथलेश साहू ▶ भोपाल

लाइब्रेरी में जाकर तो सभी पढ़ाई करते हैं, लेकिन ऐसा बहुत कम सुन होगा कि लाइब्रेरी खुद चलकर आपके पास आती है। शहर के लाइब्रेरियन मोहम्मद खालिद आबीदी ऐसे शख्स हैं जो लोगों के घर तक किताबें पहुंचाने का काम कर रहे हैं। लोगों में पढ़ने की एक अच्छी आदत डाल सकें इसके लिए वो सिर्फ एक फोन कॉल पर घर पर किताबें देने पहुंच जाते हैं। बिना किसी फीस के लोगों को किताबें उपलब्ध कराने की आबीदी की हमेशा कोशिश रहती है। आबीदी ने 45 साल में अपनी खुद की एक बेहतरीन लाइब्रेरी 'मक्तबा अबीदिया' तैयार की है। इसमें लगभग 7000 किताबों का कलेक्शन है। आकाशवाणी से प्रोग्राम एक्जिक्यूटिव के पद से रिटायर हुए 68 साल के आबीदी का आज भी अपनी लाइब्रेरी को डेवलप करने का वही जुनून है जो वर्षों पहले हुआ करता था। इस लाइब्रेरी में हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी का साहित्य उपलब्ध है। इसके अलावा मध्य प्रदेश का साहित्य, मिर्जा गालिब, अल्लामा इकबाल सहित 400 पुरानी पाण्डुलिपि का कलेक्शन है।

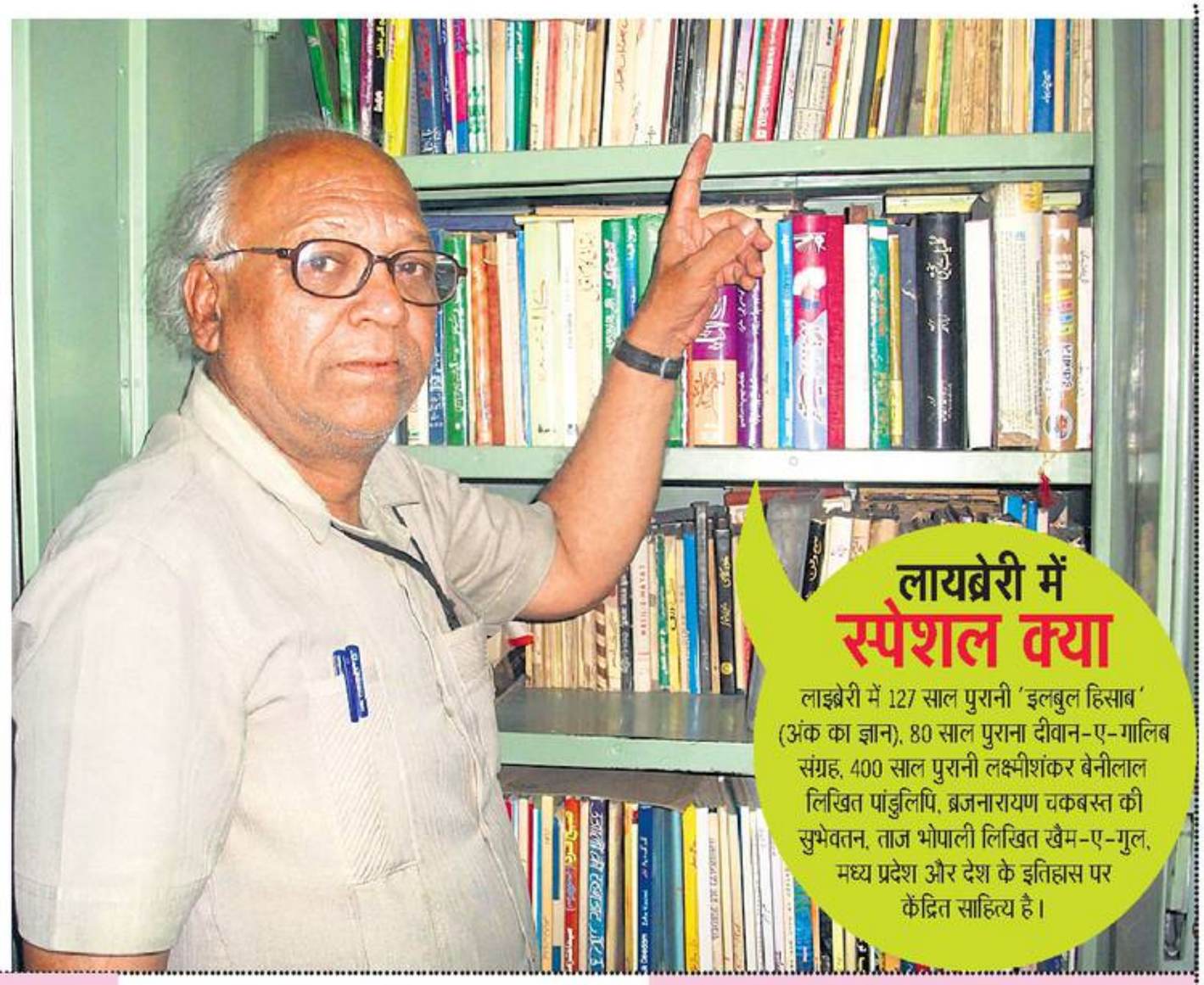

लायब्रेरी में स्पेशल क्या

लाइब्रेरी में 127 साल पुरानी 'इलबुल हिसाब' (अंक का ज्ञान), 80 साल पुराना दीवान-ए-गालिब संग्रह, 400 साल पुरानी लक्ष्मीशंकर बेनीलाल लिखित पांडुलिपि, ब्रजनारायण चकबस्त की सुभेवतन, ताज भोपाली लिखित खैम-ए-गुल, मध्य प्रदेश और देश के इतिहास पर केंद्रित साहित्य है।

उर्दू में 500 ड्रामा का कलेक्शन

आबीदी की लाइब्रेरी में 500 से अधिक ड्रामा का कलेक्शन है। उर्दू में महाकवि कालिदास के मेघदूत, शकुंतला, शौकत खान के नाटक सहित कई प्रसिद्ध नाटकों का कलेक्शन है। लेखक रायगोविंद चंद की साल 1958 में लिखी कृति 'भरत नाट्य शास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप' भी वे सहेजे हुए हैं। साल 1891 में प्रकाशित हुए उर्दू की 'नागर सभा' की दुर्लभ कृति भी उनकी लाइब्रेरी में उपलब्ध है। मक्तबा आबीदिया में 80 साल पुराने 'दीवाने गालिब' की कृति देखने को मिल जाएगी। उन्होंने उर्दू में धार्मिक ग्रंथों का भी संकलन किया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. मोहम्मद काजिम सहित शहर के कई रंगकर्मी रंगमंच के साहित्य के लिए आबीदी की लाइब्रेरी से रिफ्रेंस लेते हैं।

लाइब्रेरी की खासियत क्या

मक्तबा आबीदिया से हर महीने कई लोगों को किताबें उपलब्ध कराई जाती हैं। यहां पर एक ही व्यक्ति को एक बार में 10 से अधिक किताबें भी दी जाती हैं। इस लाइब्रेरी में किताबें लेने नहीं जाना पड़ता है, बल्कि लाइब्रेरियन आबीदी खुद घर पर किताबें देकर आते हैं। साथ ही समय पर वापस लेने भी आते हैं।

हायर सेकंडरी 5 साल में पास की

आबीदी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि स्कूल में वे पढ़ाई में अच्छे छात्रों में नहीं हुआ करते थे। हायर सेकंडरी उन्होंने पांच साल में पास की थी। इसके बाद भी किताबों से लगाव बना रहा और इतनी बड़ी लाइब्रेरी बना पाए।

आबीदी पर हो चुकी हैं दो पीएचडी

हजारों किताबों को सहेजने वाले आबीदी के व्यक्तित्व, कृतित्व और लाइब्रेरी पर अब तक दो पीएचडी हो चुकी हैं। जम्मू यूनिवर्सिटी के डॉ. हरीदास और बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के मुमताज खान उनपर पीएचडी कर चुके हैं। इसके अलावा आबीदी पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से मसर्रद हमजा एमफिल कर चुके हैं। वहीं डॉ. रजिया हामिद और रहबर जोनपुरी दोनों ने मिलकर आबीदी पर 'मोहम्मद खालिद' किताब भी लिख चुके हैं। किताबों का कलेक्शन करने वाले आबीदी एक लेखक भी हैं। अभी तक उनकी 13 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। रेडियो संग्रह 'आवाजनुमा' से लेखन की शुरुआत करने वाले आबीदी वर्तमान में अपनी जीवन यात्रा 'अर्ज-ए-हयात' लिख रहे हैं।

पॉलिटिक्स,लव स्टोरी टॉप चॉइस

सिटी में इस साल बुक लवर्स की पसंद लव स्टोरी, पॉलिटिकल बुक्स और बायोग्राफी रहीं। प्रधानमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार संजय बारू की बुक 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर : द मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ मनमोहन सिंह' कंट्रोवर्सी के कारण मार्केट में आने से पहले ही डिमांड में रही। यह जैसे ही मार्केट में अवेलेबल हुई मोस्ट पॉपुलर बुक बन गई। वहीं पीसी पारख की 'क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर कोलगेट एंड अदर ट्रुथ्स' भी पॉपुलर बुक्स में शामिल रही। इसके साथ ही लव स्टोरी 'आई टू हैड अ लव स्टोरी' और बायोग्राफी 'प्रेम नाम है मेरा प्रेम चोपड़ा' भी बुक लवर्स की पसंद बनीं। डीबी सिटी स्थित क्रॉसवर्ड बुक स्टोर और लयाल बुक डिपो से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक ये बुक्स सिटी की बेस्ट सेलर बुक्स रहीं।

सिटी के रीडर्स ने इन किताबों को किया सबसे ज्यादा पसंद

बुक	राइटर
द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर : द मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ मनमोहन सिंह	संजय बारू
क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर? कोलगेट एंड अदर ट्रुथ्स	पीसी पारख
नरेंद्र मोदी अ : पॉलिटिकल बायोग्राफी	एंडी मरीनो
प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा	रकिता नंदा
द पास्ट एज प्रेजेंट : फॉर्जिंग कंटेंपररी आइडेंटिटीज थ्रू हिस्ट्री	रोमिला थापर
कन्वर्सेशन विद वहीदा रहमान	नजरीन मुन्नी कबीर
द बिग कनेक्ट : पॉलीटिक्स इन द ऐज ऑफ सोशल मीडिया	शैली चोपड़ा
द विजय माल्या स्टोरी	के. गिरिप्रकाश
आई टू हेड अ लव स्टोरी	रवींद्र सिंह
कैन लव हैप्पन टवाइस	रवींद्र सिंह
एंड द माउन्टेंस इकोड	खालिद हुसैनी
द शिव ट्रायलॉजी	अमीष त्रिपाठी
डोंगरी टू दुबई	एस. हुसैन जैदी
आई एम मलाला	मलाला यूसुफजई
द सीक्रेट	रॉन्डा बर्न
7 हैबिट्स ऑफ हाइली इफेक्टिव पीपुल	स्टीफन आर. कोवी

(बेस्ट सेलर लिस्ट लयल बुक डिपो और क्रॉसवर्ड से मिली जानकारी के अनुसार)